कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

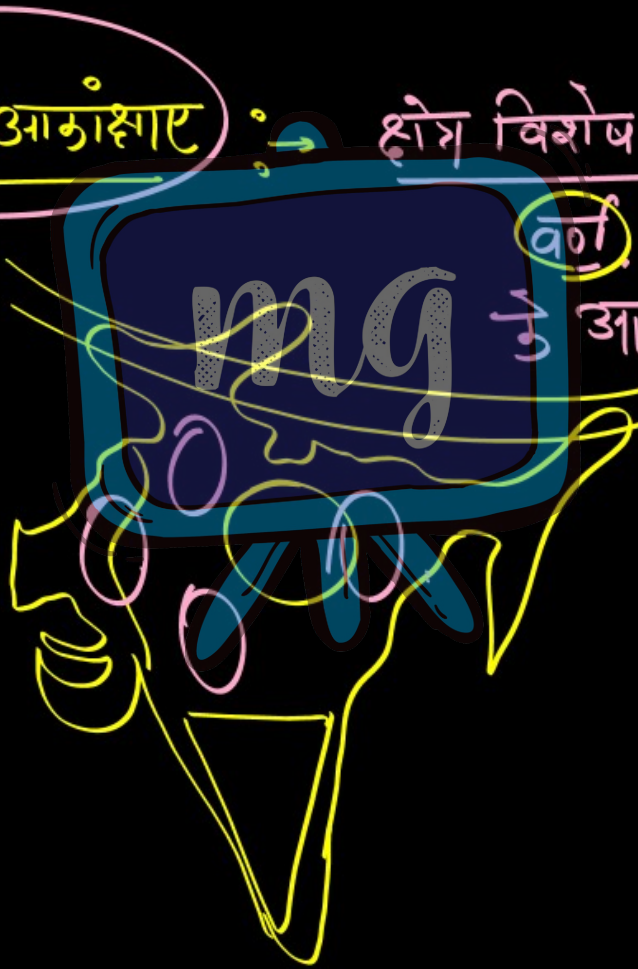
अध्याय - 7

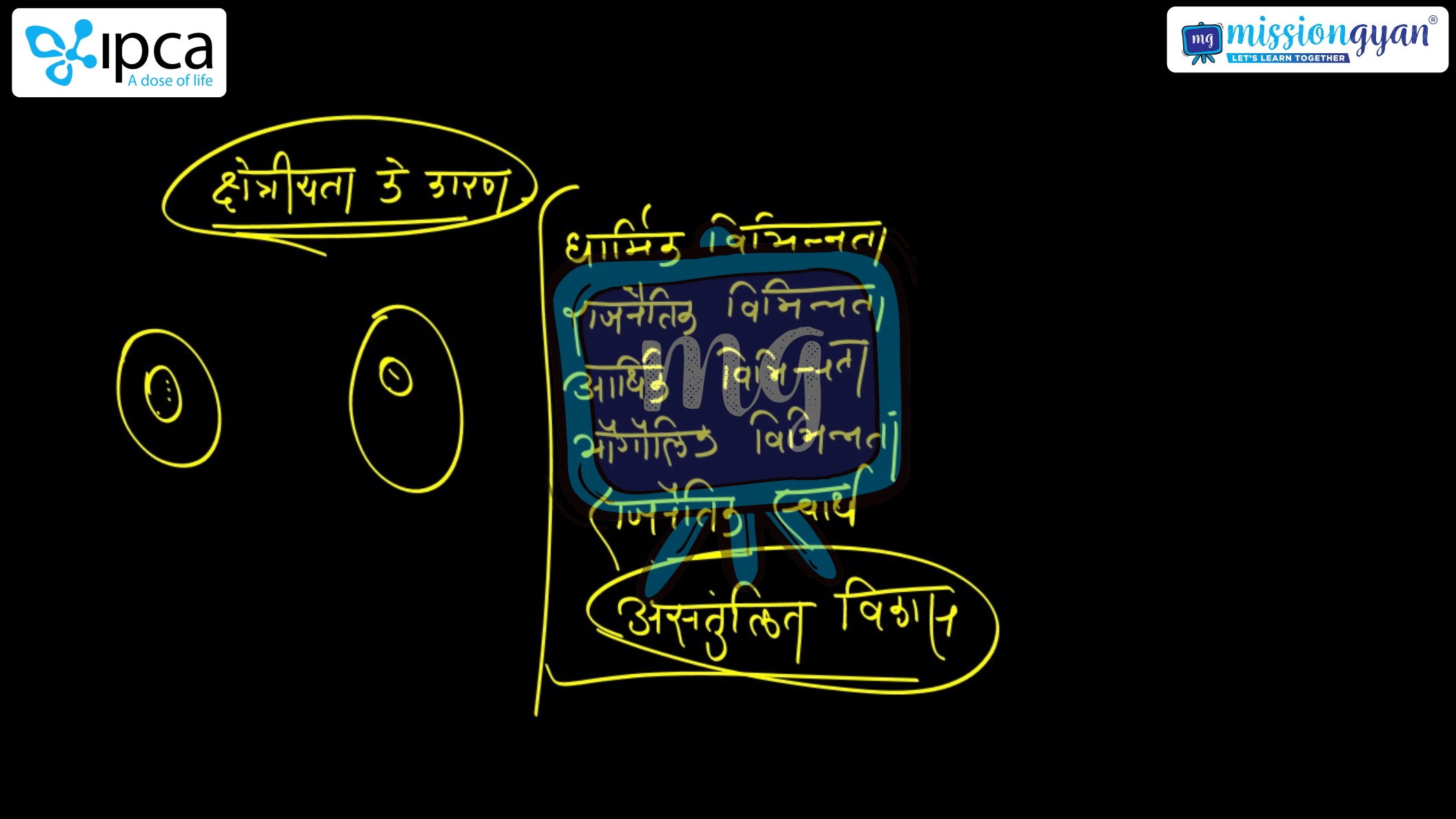
क्षेत्रीय आकांक्षाएँ

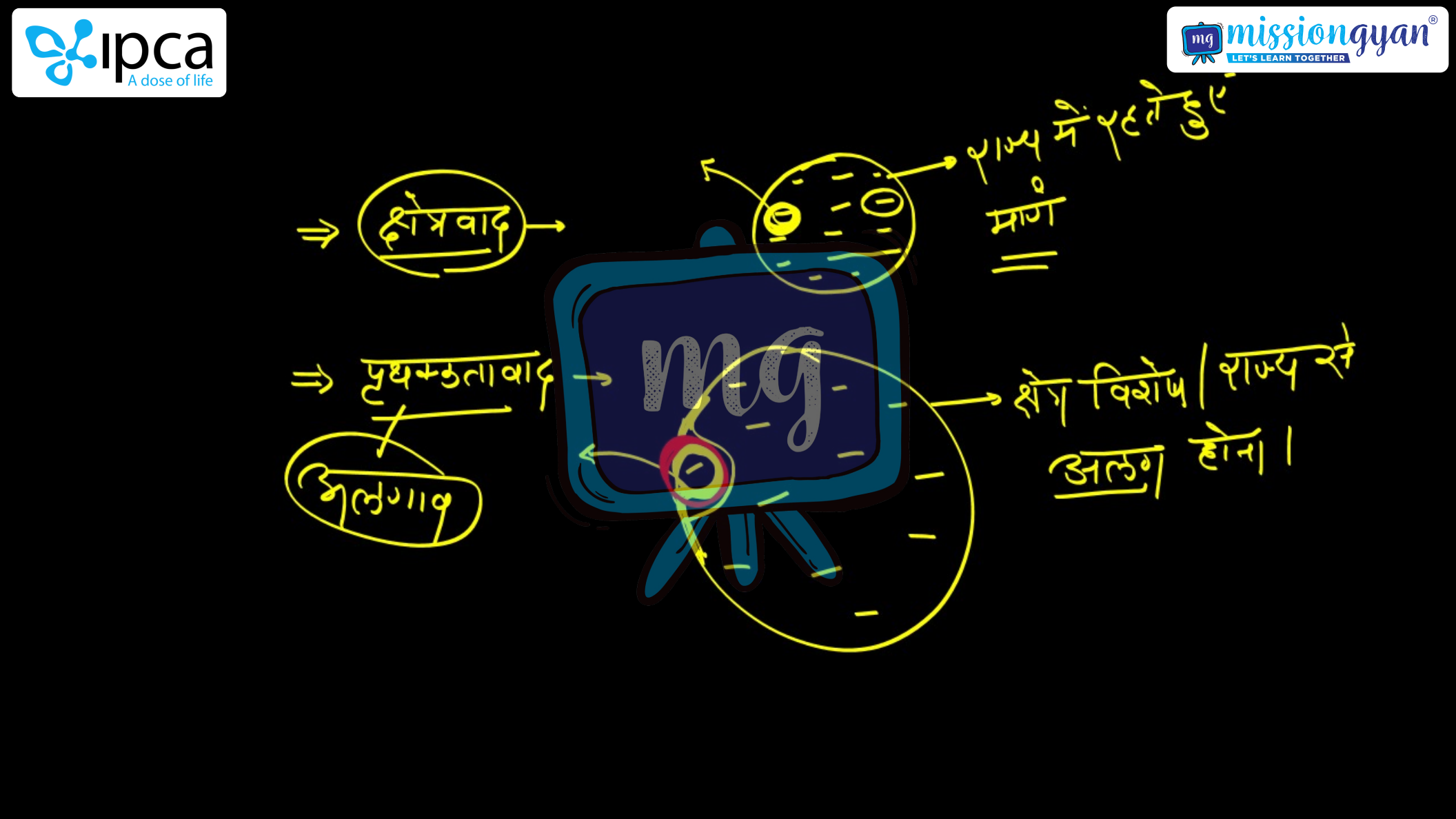
भाग - 1

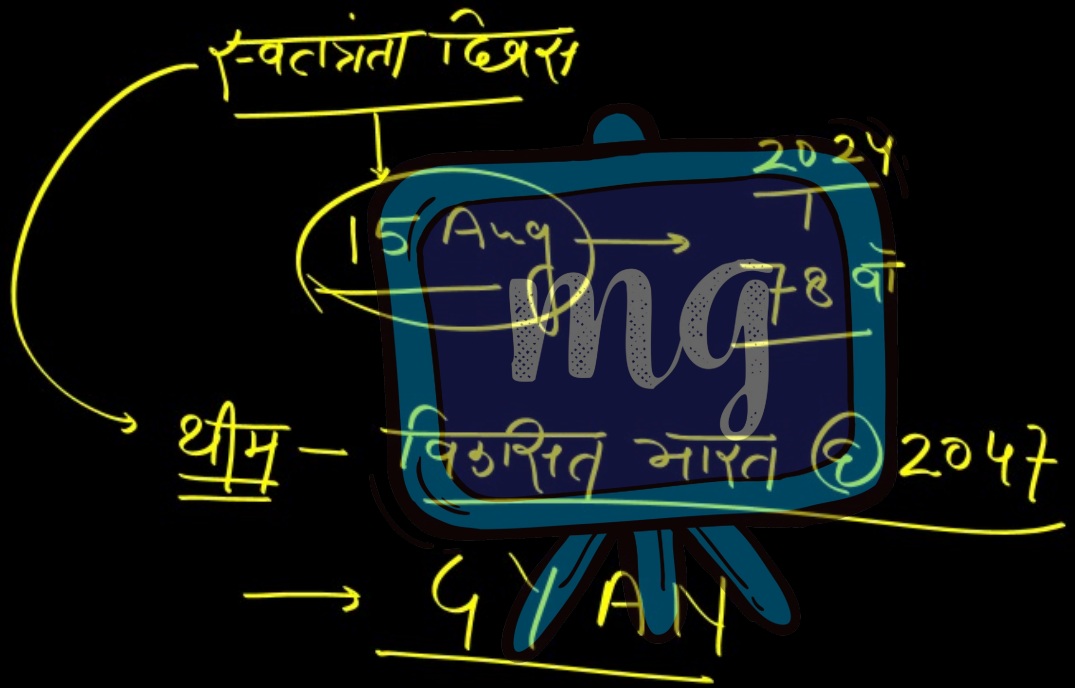
Satyaveer Yadav

क्षेत्रीय आकांक्षाएं :→ क्षेत्र विशेष के लोगों द्वारा धर्म भाषा वर्ण भौगोलिक विशिष्टताओं आदि के आधार पर मांग।




क्षेत्रीयता के कारण
धार्मिक विभिन्नता
राजनैतिक विभिन्नता
आर्थिक विभिन्नता
भौगोलिक विभिन्नता
राजनैतिक स्वार्थ
असंतुलित विकास


⇒ क्षेत्रवाद
राज्य में रहने वाले लोग
मांग
⇒ पृथकतावाद
अलगाव
क्षेत्र विशेष / राज्य के अलग होना।


स्वतंत्रता दिवस
2024
15 अगस्त
78 वाँ
mg
थीम – विकसित भारत @ 2047
→ युवा

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इस अध्याय में :

- 1980 के दशक में असम, पंजाब, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर में उठी क्षेत्रीय आकांक्षाओं के बारे में।
- क्षेत्रीय आकांक्षाओं और उनसे उपजे तनाव को किन कारणों से बल मिलता है?
- भारत सरकार ने ऐसी चुनौतियों और तनावों के प्रति क्या कदम उठाए?
- लोकतांत्रिक अधिकारों और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन साधने में किस किस्म की कठिनाइयां आती हैं?
- लोकतंत्र में विविधताओं के बीच एकता कायम करने की लिहाज से हमें क्या सीख मिलती है?

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्वायत्ता → किसी राज्य के द्वारा कुछ विशेष अधिकार मांगना।

1980 का दशक

स्वायत्ता की मांग का दशक

देश के कई हिस्सों में स्वायत्ता की मांग उठी।

इसने संवैधानिक हदों को भी पार किया।

लोगों ने अपनी मांग के पक्ष में हथियार उठाये।

सरकार की जवाबी कार्यवाही

राजनीतिक तथा चुनावी प्रक्रिया अवरुद्ध

संघर्ष विराम

सुलह से समझौते से

बातचीत का लक्ष्य - विवाद के मुद्दों को संविधान के दायरे में रहकर निपटा जाये।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत सरकार का नजरिया

विविधता के सवाल पर लोकतांत्रिक दृष्टिकोण

- लोकतंत्र क्षेत्रीयता को राष्ट्र विरोधी नहीं मानता
- लोकतांत्रिक राजनीतिक दल में विभिन्न दल और समूह क्षेत्रीय पहचान, आकांक्षा या किसी क्षेत्र समस्या को आधार बनाकर लोगों की भावनाओं की नुमाइंदगी करते हैं।
- लोकतांत्रिक राजनीति में क्षेत्रीय आकांक्षाऐं और बलवती

लोकतांत्रिक राजनीति

- क्षेत्रीय मुद्दों और समस्याओं पर नीति–निर्माण की प्रक्रिया में समुचित ध्यान

तनाव

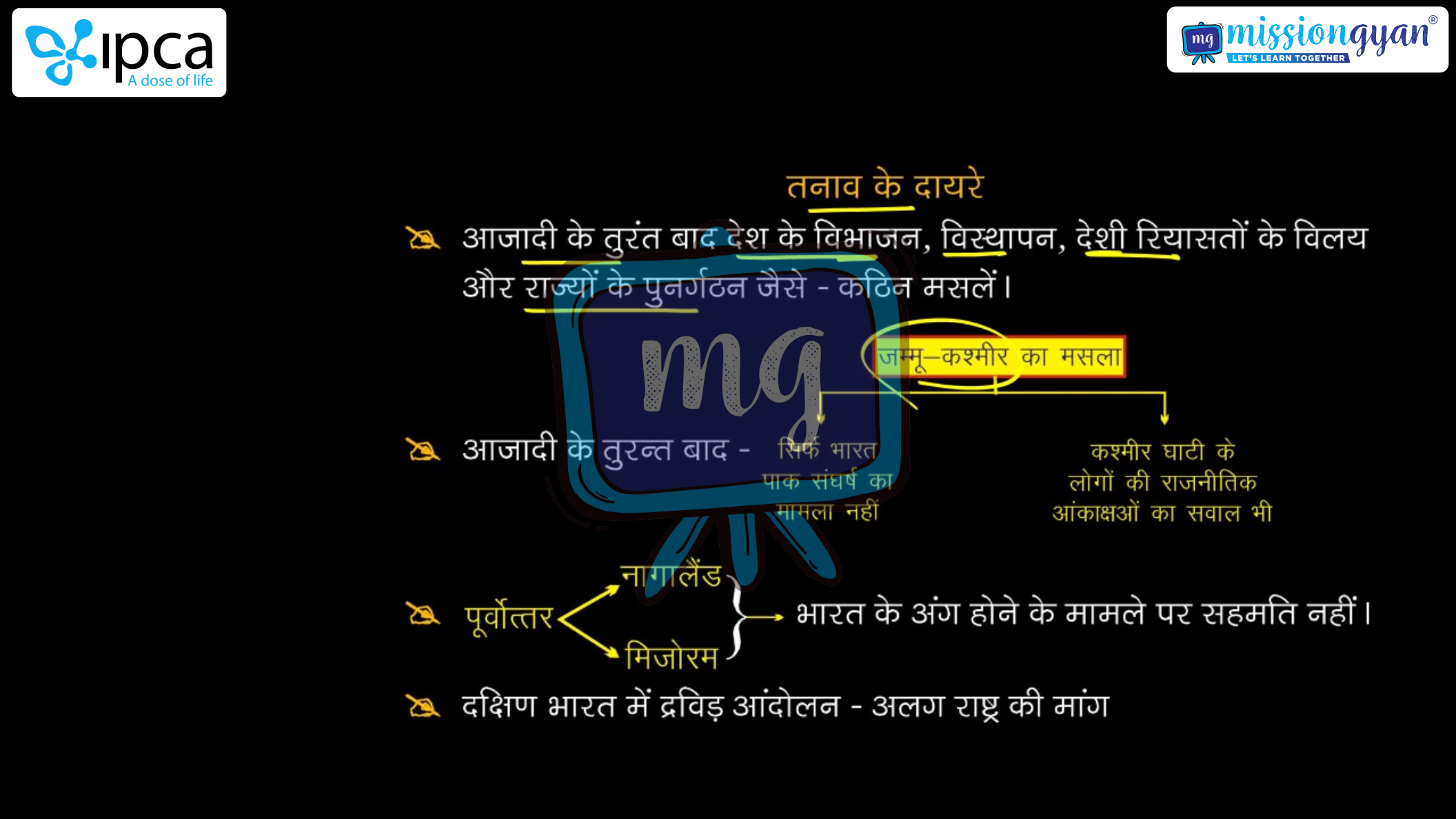
- कभी–कभी राष्ट्रीय एकता के सरोकार क्षेत्रीय आकांक्षाओं पर भारी।
- क्षेत्रीय सरोकारों के कारण राष्ट्र की वृहत्तर
- राजनीतिक संघर्ष

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तनाव के दायरे

- आजादी के तुरंत बाद देश के विभाजन, विस्थापन, देशी रियासतों के विलय और राज्यों के पुनर्गठन जैसे - कठिन मसलें।



- आजादी के तुरन्त बाद -
- पूर्वोत्तर → नागालैंड, मिजोरम → भारत के अंग होने के मामले पर सहमति नहीं।
- दक्षिण भारत में द्रविड़ आंदोलन - अलग राष्ट्र की मांग